बरसात ने किसान को रुलाया, बाजरे की फसल बर्बाद

पशुओं के लिए भी आएगा चारे का संकट

धौलपुर, (निसं)। पिछले कई दिन से धौलपुर जिले में बरसात का दौर जारी है। जिस कारण बाजरे की फसल बर्बाद हो चुकी है। बरसात से खेत में भरे पानी के बीच बाजरे की फसल को सड़ती हुई देख किसानों का हाल बेहाल है और उनका धैर्य जवाब दे रहा है।

इन दिनों ज्यादातर किसानों की फसल की कटाई चल रही थी तथा कुछ की पक्की हुई खेतों में खड़ी थी। इसी दौरान बरसात का दौर शुरू हो गया। जिससे खेत में कटी पड़ी फसल पानी में डूब गई और बर्बाद हो गई। किसान बाजरे की फसल से काफी उम्मीद लगाए बैठे हुए थे और अच्छी पैदावार को लेकर तमाम सपने देख रहा था लेकिन अन्नदाता के सपनों को बरसात ने चकनाचूर कर दिया है।

धौलपुर में बाजरे की खराब हुई फसल दिखाते किसान।

■ फसल बर्बाद होने की जानकारी लेने पर किसान मोबाइल पर ही फफक-फफक कर रोने लगे

बामनवास उपखंड क्षेत्र सहित जिले में हो रही बेमौसम की बरसात किसानों के लिए आपदा बनकर सामने आई है । बरसात से किसानों की पकी पकाई फसलें खेतों में ही बारिश का पानी भरने से तबाह हो गई। किसान की फसलें बरसाती पानी से दोबारा से अंकुरित हो गई। लगातार कई सालों से विभिन्न आपदाओं से खेती में नुकसान झेल रहे किसान समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर वे खुद को कैसे संभाले एवं हुए नुकसान की भरपाई आखिर कहां से करें । इस बेमौसम की बारिश से खासकर बाजरे की फसल चौपट हुई है । जब किसानों से इस बेमौसम बारिश के बाद उनके खेतों में खड़ी पक्की फसल बर्बाद होने की जानकारी ली गई तो दूरभाष पर ही किसान फफक पड़े। शुक्रवार को किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर सुरेश ओला को जिला मुख्यालय पहुंचकर फसल खराबे की गिरदावरी कराकर किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग का ज्ञापन सौंपा।

खेतों में पड़ी बाजरे की फसल उगने लगी, कड़बी भी हुई खराब

■ बारिश से किसानों के चेहरे मुरझाए, खेतों में भरा पानी

■ पिछले एक हप्ते से लगातार पूरे क्षेत्र में बारिश हो रही है

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा सहित आस-पास के क्षेत्र में 50 से अधिक गांवों में एक सप्ताह से हो रही बारिश से 80 प्रतिशत खराब हुई फसल ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई जगहों पर खेतों में पानी भर गया है। इससे बाजरे की फसल खराब हो रही है। पिछले एक हप्ते से लगातार हो रही बारिश से पूरे सत्ताईस क्षेत्र में फसलों को भारी नुकसान पर ग्राम सेवा सहकारी समिति चैयरमैन पुष्पा मीणा, वाइस चेयरमैन हरिसिंह शेखावत, प्रधान पूजा चौधरी, नगरपालिका चेयरमैन उर्मिला पंसारी, भाजपा व्यावसायिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक कन्हैयालाल मीणा, पूर्व सरपंच जगन चौधरी, निर्मल पंसारी , प्रागपुरा जीएसएस चैयरमैन उपेन्द्र सिंह सहित पावटा पंचायत समिति के सरपंच गणों ने किसानों को भारी नुकसान होने पर सरकार से राहत की मांग की।

वहीं चेयरमैन पुष्पा मीणा ने सरकार से जल्द से गिरदावार रिपोर्ट व फसल नुकसान का उचित मूल्यांकन कर किसानों को उचित मुवावजे की मांग की। बारिश से उपखंड क्षेत्र में बुआई के मुकाबले पैदावार में अधिक गिरावट आने की संभावना है। पावटा उपखंड क्षेत्र सहित कई गांवों में जनजीवन अस्त व्यस्त हुआ है। खेतों में पानी भरा हुआ है अब न तो बाजरा बचा है और ना ही पशुओं के लिए चारा। खेतो में कटी पड़ी बजरा की फसल से फिर से बालियां अंकुरित हो गई हैं। खेतों में खडी फसल भी बारिश तथा तेज हवा के कारण पसर गई है। अब क्षेत्र के किसान सरकार से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसानों में मायूसी छाई हुई है। किसानों का कहना है कि यही बारिश करीब 1 माह पहले होती तो किसानों को इसका फायदा मिलता।

पावटा क्षेत्र में बाजरे की फसल पानी में तैरती नजर आई।

जैतूसर सरपंच को 2.10 लाख रूपये की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने दबोचा

ठेकेदार को छह माह से बिलों का भुगतान कमिशन के चक्कर में अटकाये रखा

रींगस, (निसं)। एसीबी जयपुर टीम ने शुक्रवार को रींगस से सटे जैतूसर ग्राम के सरपंच को रंगे हाथो रिश्वत लेते दबोच लिया। रिश्वत की राशी पीड़ित से लेकर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने अपनी कार में रख ली। मौका पाकर टीम ने सरपंच को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी टीम अन्य जगहों पर भी दबीश दे रही है। बाद में गिरफ्तार सरंपच श्रवण कुमार वर्मा को एसीबी रींगस थाने लेकर आई। जहां से बाद में उसे जयपुर ले गई।

एसीबी के निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह ने बताया की एसीबी में एक परिवादी ने अपनी शिकायत दी थी। इस पर एसीबी महानिरीक्षक बीएल सोनी के निर्देशन में उप महानिरीक्षक विष्णुकांत के सुपरविजन में टीम ने मामले का सत्यापन करवाया तो मामला सही शाबित हुआ। इस पर एसीबी की टीम एएसपी आहद खान तथा निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पीडित के साथ जयपुर से रींगस पहुंची। एसीबी ने पीड़ित को दो लाख दस हजार रूपये का बंडल बना कर सौंप दिया।

इसके बाद पीड़ित ने जैतूसर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा से मोबाइल पर सम्पर्क किया तो राशी के साथ एनएच 52 पर गैस गौदाम के सामने लेकर पहुंचने का निर्देश दिया। पीड़ित के पीछे -पीछे एसीबी टीम भी मौके पर पहुंच गई। एनएच 52 पर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने पीड़ित को अपनी कार में बैठा लिया तथा 2 लाख 10 हजार रूपये लेकर अपनी कार में रख लिये। इशारा पाते ही एसीबी टीम ने सरपंच को दबोच लिया ।

जानकारी के अनुसार पीड़ित ठेकेदार है तथा कई ठेके लिये लेकिन सरपंच ने 20 प्रतिशत कमिशन के चक्कर में बिल अटकाये रखा। पीड़ित 6 माह से सरपंच के चक्कर काट रहा था। हार थक कर उसने एसीबी का रूख किया। बताया जा रहा है कि सरपंच ने पीडित की एक एमानत राशी के 1 लाख रूपये की राशी भी नही लौटाई जा रही। नये ठेके के लिए पीड़ित ने एक लाख रूपये की भी अमानत राशी जमा करवाई लेकिन सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने बकाया बिलों तथा अमानत राशी का भुगतान नही होने दिया।

गिरफ्तार सरपंच श्रवण कुमार।

इसके बादले में 2 लाख 10 हजार रूपये की मांग की गई। पीड़ित ने निर्माण कार्य के करीब 6 लाख रूपये का काम किया था। दो लाख दस हजार रूपये लेते ही टीम ने सरपंच को पकड़ लिया। एसीबी टीम इतना चौकन्ना थी कि किसी भो भनक तक नही लगी और सरपंच को भागने का मौका भी नही दिया। वही एसीबी की दूसरी टीम सरपंच के निवास पर तलाशी ले रही थी।

सुभाष नगर थाने का एएसआई रिश्वत लेते पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर शुक्रवार को चित्तौडगढ़ इकाई द्वारा भीलवाड़ा में कार्यवाही करते हुये विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस, थाना सुभाषनगर, जिला भीलवाड़ा को परिवादी से 10 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की चित्तौडगढ इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरुद्ध दर्ज प्रकरण में कोई कार्यवाही नहीं करने और मामले रफा-दफा करने की एवज में विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस थाना सुभाषनगर भीलवाड़ा द्वारा 22 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है, जिस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन में एसीबी की चित्तौडगढ इकाई के पुलिस निरीक्षक दयालाल चौहान के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनकी टीम द्वारा भीलवाड़ा में ट्रेप कार्यवाही का आयोजन किया। कार्यवाही के दौरान आरोपी विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस थाना सुभाषनगर, जिला भीलवाड़ा द्वारा परिवादी से 10 हजार रूपये की रिश्वत राशि स्वीकार की परन्तु एसीबी कार्यवाही की भनक लगने पर मौके से फरार हो गया।

राजस्व अपील अधिकारी का वरिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

टोंक एसीबी की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

■ परिवादी से एक संपति के वाद में मदद करने की एवज में मांगी थी रिश्वत

टोंक, (निसं)। टोंक एसीबी ने बडी कार्रवाई करते हुए टोंक न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी कार्यलय के रीडर को 12 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। परिवादी से एक संपति के वाद में मदद करने की एवज में मांगी गई थी। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों टोंक इकाई द्वारा शुक्रवार को वरिष्ठ सहायक रीडर न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी जिला टोंक लक्ष्मीनारायण को परिवादी से 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों टोंक इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने बताया कि एसीबी की टोंक इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत की गई कि पैतृक सम्पति के संबंध में चल रहे वाद में मदद करने की एवज में न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी जिला टोंक के वरिष्ठ सहायक(रीडर) लक्ष्मीनारायण द्वारा 15 हजार रुपए की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी के महानिदेशक भगवानलाल सोनी के निर्देशानुसार एसीबी जयपुर के उपमहानिरीक्षक सवाईसिंह गोदारा के सुपरविजन में एसीबी टोंक इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया जाकर शुक्रवार को उनकी टीम द्वारा ट्रेप की कार्यवाही करते हुए लक्ष्मीनारायण पुत्र लालचंद रैगर निवासी मकान नं. 15, चन्द्रलोक होटल के पास टोंक हाल वरिष्ठ सहायक न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी टोंक को परिवादी 12 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपी के निवास, अन्य ठिकानों की तलाशी एवं पूछताछ जारी है।

10 करोड़ की जमीन यूआईटी ने कब्जेधारियों से छुड़ाई

बीकानेर, (कासं)। रानीबाजार इंडस्ट्रियल एरिया में सिने मैजिक के सामने 10 करोड़ रुपए की करीब डेढ़ बीघा जमीन अब यूआईटी के कब्जे में है। मेन रोड पर स्थित इस जमीन पर बाउंड्री वॉल बनाकर अतिक्रमण किया हुआ था जिसे पुलिस फोर्स की मौजूदगी में हटा दिया गया है।

किशमीदेसर के खसरा 311 में सीने मैजिक के सामने वाली मेन रोड पर करीब डेढ़ बीघा जमीन पर भूमाफियाओं ने बाउंड्री बाल बनाकर कब्जा कर रखा था। यूआईटी के अधिकारी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और दीवार पर बुलडोजर चला दिया। करीब डेढ़ बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाकर अपने कब्जे में ली और वहां यूआईटी का बोर्ड लगा दिया। कार्रवाई के दौरान यूआईटी सचिव यशपाल गंगाशहर थाने का पुलिस जाप्ता और होमगार्ड के जवान मौजूद थे। यूआईटी सचिव आहूजा ने बताया कि कब्जे में ली गई जमीन करीब 10 करोड़ रुपए की है। जमीन के पीछे की तरफ मकान भी बने हैं जो और लोग रह रहे हैं। इन्हें गलत खसरे में मकान बनाने पर चेतावनी दी गई है। पूर्व में इसी रोड पर करोड़ों रुपए की जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई थी।

नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नागणेची जी मंदिर से नारी निकेतन रोड पर 10 कब्जे हटाए। इसमें तीन दुकानें, दो कुंडियां और बाकी चारदीवारी शामिल है। दरअसल नागणेची मंदिर से नारी निकेतन रोड को वापस दुरुस्त किया जा रहा है। सड़क चौड़ी भी होगी। तीन महीने पहले नापजोख कब्जाधारियों को कब्जे हटाने के लिए नोटिस भी दिया गया था। फिर भी कब्जे नहीं हटे तो गुरुवार को निगम पूरे दलबल के साथ वहां पहुंचा। खुद निगम आयुक्त गोपालराम विरदा भी मौजूद रहे। निगम अधिकारियों का कहना है इन लोगों के पास पट्टा है लेकिन उसके बाहर आकर इन्होंने कब्जा किया है।

बजरी माफिया के खिलाफ पुलिस की रेड

जोधपुर, (कासं)। शहर में आठ दिन पहले लूणी थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन को लेकर माफियाओं में जंग के चलते एक युवक की हत्या की गई थी। जिसके बाद अब पुलिस ने बजरी माफियाओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। हत्या के दूसरे से दिन से ही कार्रवाई आरंभ कर दी गई। शुक्रवार सुबह पुलिस ने लूणी नदी के शिकारपुरा इलाके में अवैध बजरी माफियाओं पर कार्रवाई करते हुए नौ डंपर अवैध बजरी के बरामद करने के साथ मौके से एक स्कार्पियो को जब्त किया । अवैध बजरी खनन कर्ता पुलिस पार्टी को आते देख वाहन छोड़कर भाग निकले। बाद में पुलिस ने खनन विभाग की टीम को भी बुलाया। थानाधिकारी ईश्वरवंद पारीक के अनुसार नौ डंपर अवैध बजरी से भरे जब्त किए गए तो एक स्कार्पियो को भी मौके से पकड़ा गया। पुलिस ने अब कार्रवाई के लिए खनन विभाग अधिकारियों को बुलाया है। डंपरों को जब्त करने के साथ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

आरसी लाइसेंस के लिए भटक रहे लोग

बीकानेर, (निसं)। जिला परिवहन कार्यालय राजस्व की दृष्टि से संभाग का सबसे बड़ा कार्यालय है। जहां सैंकड़ों लोग अपने वाहन सम्बन्धी और ड्राइविंग लाइसेंस सम्बन्धी कार्यों के लिए बीकानेर जिला परिवहन कार्यालय पहुंचते हैं। लेकिन बीकानेर परिवहन विभाग के रिक्त पदों ओर आये दिन सर्वर डाउन की समस्या ओर तो जूझ ही रहा था कि अब विभाग में स्मार्टकार्ड छापने वाली निजी कंपनी के पास स्मार्टकार्ड ख़त्म होने की समस्या से ओर पब्लिक को दो -चार होना पड़ रहा है । परिवहन विभाग बीकानेर में पिछले 15 दिन से स्मार्टकार्ड नहीं छप रहे। जिससे वाहनों की आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी काम अटके हुए हैं । लोग अपनी आरसी ओर ड्राइविंग लाइसेंस के लिए विभाग के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उनके कागजात अप्रूव्ड हो जाने के बाद भी उन्हे स्मार्टकार्ड का स्टॉक ख़त्म होने की वजह से प्रिंट हुई आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिल रहे।

उधर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से जब विभाग मे आरसी और डराइविंग लाइसेंस युक्त स्मार्टकार्ड नही मिलने का कारण पूछा जाता तो वे पूरे राजस्थान में ही स्मार्टकार्ड का स्टॉक ख़त्म होने का हवाला देकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं ।उधर अन्य राज्यों और मुख्य मार्गों पर परिवहन उड़न दस्ता और यातायात पुलिस सघन अभियान चलाकर वाहनों के कागजात के अभाव में वाहन जप्ती अथवा भारी जुर्माना वसूल रही है । स्मार्टकार्ड नहीं मिलने से वाहन चालकों ओर ड्राइविंग लाइसेंसधारी लोगो को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है ।

इस सन्दर्भ में बीकानेर सिटीजन ऐशशिएसन के एडवोकेट हनुमान प्रसाद शर्मा और यातायात अधिवक्ता बनवारी लाल सिगड़ ने बताया कि जिला परिवहन कार्यालय बीकानेर में पिछले पंद्रह दिन से आरसी, ओर मोटर ड्राइविंग लाइसेंस का प्रिंट होने वाले स्मार्टकार्ड नहीं हैं।

54,777 सीटों के लिए जोसा द्वारा प्रथम राउंड सीट आवंटन

देश की आईआईटी, एनआईटी समेत कुल 112 कॉलेजों की सीटों की हुई रैंकिंग

कोटा, (निसं)। देश के आईआईटी-एनआईटी समेत कुल 112 कॉलेजों की 54477 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग के प्रथम राउण्ड का सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। विद्यार्थी जिन्हें प्रथम राउण्ड सीट आवंटन में किसी भी कॉलेज का सीट आवंटन हुआ है, उन्हें 26 सितम्बर को शाम 5 बजे तक ऑनलाइन रिपोर्टिंग करनी होगी।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा के अनुसार जोसा काउंसलिंग के प्रथम राउण्ड के सीट आवंटन के बाद जारी की गई ओपनिंग व क्लोजिंग रैंक के अनुसार 14703 रैंक वाले छात्र तथा 20 प्रतिशत कोटे के कारण 23 हजार 276 रैंक वाली छात्रा को आईआईटी धारवाड़ की इंट्राडिसिप्लीनरी ब्रांच का आवंटन किया गया। यह ब्रांच इस वर्ष ही प्रारंभ हुई। इसी तरह एनआईटी की जेंडर न्यूट्रल पूल कोटे से क्लोजिंग रैंक 7 लाख 60322 एआईआर पर रही जो कि एनआईटी मिजोरम की मैकेनिकल ब्रांच होम स्टेट कोटे से आवंटित हुई। इसके साथ ही 8 लाख 80 हजार 196 रैंक पर फीमेल पूल कोटे से एनआईटी मिजोरम की इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स ब्रांच होम स्टेट कोटे से आवंटित की गई। ऑनलाइन रिपोर्टिंग के दौरान विद्यार्थियों को सर्वप्रथम अपना इनिशियल सीट अलॉटमेंट इन्फोर्मेशन स्लीप डाउनलोड करनी होगी। इसके उपरांत विद्यार्थियों को आगे की काउंसलिंग में जाने के लिए काउन्सलिंग विकल्प फ्रीज, फ्लॉट व स्लाइड चुनना होगा। काउन्सलिंग विकल्प चुनकर विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेजों 10वीं, 12वीं की अंकतालिका, कक्षा 12वीं का प्रमाण पत्र, कैटेगिरी संबंधित दस्तावेज, मेडिकल सर्टिफिकेट, कैंसिल चौक एवं जेईई मेन या एडवांस्ड के एडमिट कार्ड जैसे दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करनी होगी। अंतिम चरण में विद्यार्थी को सीट असेपटेंस फीस जमा करनी होगी।

फीस जमा कराने के उपरांत जोसा वैरिफिकेशन अथॉरिटी द्वारा विद्यार्थियों के अपलोड किए गए दस्तावेजों को जांच कर उन्हें आवंटित सीट का कन्फर्मेशन दिया जाएगा। अपलोड किए गए दस्तावेजों में त्रुटि पाए जाने पर विद्यार्थियों को क्वेरी के माध्यम से सूचित किया जाएगा। स्टूडेंट्स को आयी क़्वेरी का 27 सितम्बर तक रेस्पॉन्स करना आवश्यक है अन्यथा उनकी मिली सीट निरस्त कर दी जाएगी।

एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया की ऐसे विद्यार्थी जिन्होने जोसा काउंसलिंग में एनआईटी कॉलेजों के विकल्प भरे हैं, उन्हें स्टेट ऑफ एलिजिबिलिटी प्रूफ के तौर पर 12वीं बोर्ड का पास सर्टिफिकेट या मार्कशीट स्कैन कर अपलोड करनी होगी। केवल आईआईटी की कॉलेज च्वाइस भरने वाले विद्यार्थियों को स्टेट ऑफ एलिजिबिलिटी प्रूफ देने की आवश्यक्ता नहीं है। जिन विद्यार्थियों को प्रथम राउण्ड में कॉलेज का आवंटन नहीं हुआ है। उन्हें ऑनलाइन रिपोर्टिंग व सीट असेपटेंस फीस जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

प्लाटून कमांडर कैदी को हीटर स्प्रिंग देते पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार एक बार फिर सुर्खियों में है। हर बार कैदियों या बंदियों के पास से अवांछिय सामग्री मिलती आई है, मगर इस बार आरएसी का एक कंपनी प्लाटून कमाण्डर ही बंदी को हीटर स्प्रिंग देने जाते पकड़ा गया। जेल प्रशासन की तरफ से इस बारे में अब रातानाडा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। कंपनी प्लाटून की गिरफ्तारी फिलहाल नहीं बताई गई है।

रातानाडा थानाधिकारी सत्यप्रकाश ने बताया कि आरएसी का कंपनी प्लाटून कमाण्डर कल्याण सिंह जोधपुर केंद्रीय कारागाह आया था। बाद में वह जेल के अंदर गया। यहां पर मुख्य प्रहरी चंद्र प्रकाश को संदेह हुआ था। कंपनी प्लाटून कल्याणसिंह एक बंदी रामपाल पुत्र बाबूलाल से मिला और बाद में वार्ड संख्या 12 के बाथरूम में घुस गए। शक होने पर रामपाल बाहर खडा हो गया और कंपनी प्लाटून कल्याण सिंह ने बाथरूम का दरवाजा बंद कर दिया। बाद में खोलने पर चेकिंग में दो पैकेट हीटर स्प्रिंग पाई गई। दोनों पैकेट में दस दस हीटर स्प्रिंग थी। जिसे जेल प्रशासन ने बरामद कर पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस वहां पहुंची। घटना में जेल प्रशासन की तरफ से केस दर्ज कराया गया है।

फलोदी जिले के प्रस्ताव में पोकरण विधानसभा क्षेत्र प्रभावित होगा

पुराने जातिगत समीकरण टूटेंगे, नए बनेंगे

पोकरण, (निसं)। फलोदी जिले के प्रस्ताव में पोकरण विधानसभा की सात पंचायतों के तीस हजार मतदात प्रभावित होंगे। प्रदेश में सात नए जिले बनाने के प्रस्ताव की तैयारियों के चलते प्रशासनिक स्तर पर प्रस्तावित जिला को लेकर प्रशासन द्वारा कागजी कार्रवाई की जा रही है। राजनैतिक ज्योतिष के अनुसार फलोदी को जिला बनने से टूटेंगी पोकरण विधानसभा की सात पंचायतें, 27 मतदाता बूथ, 77 रेवेन्यू विलेज, 14 पटवार मंडल में से अधिकतर राजपूत एवं बिश्नोई एससी /एसटी के मतदाताओं की संख्या फलोदी जिला बनने पर बदलेगी ।

फलोदी को जिला बनाने पर विधानसभा चुनाव 2028 परिसमन को देखते हुए पोकरण विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का गढ़ ढह जाएगा। राजनीतिक ज्योतिष के अनुसार पोकरण विधानसभा क्षेत्र परंपरागत रूप से कांग्रेस की झोली में पक्की हो जाएगी। वही वर्तमान के क्षेत्रीय विधायक सालेह मोहम्मद को अपनी राजनीतिक सीट पक्की करने का जुगाड बनता नजर आ रहा है।

नवगठित पोकरण विधानसभा क्षेत्र के 2008 के चुनाव से लगातार नोख क्षेत्र में भाजपा के पक्ष में मतदाताओं का रुझान रहा है । फलोदी जिला बनाने के लिए पोकरण विधानसभा क्षेत्र की पंचायतों को शामिल किया जा रहा है। पोकरण विधानसभा का बंटवारा होना तय माना जा रहा है। पोकरण नोख उप तहसील क्षेत्र को हटाकर उसे फलौदी में जोड़े जाने का प्रस्ताव भी लिया गया है। नोख गांव के साथ ही साथ आस-पास के गांव को भी फलोदी से जोड़ने का प्रस्ताव लिया गया है।

नोख क्षेत्र के फलौदी में जाने के साथ ही यहां यहां के बाशिंदों को अधिक लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर नाचना पंचायत समिति से भी कई पंचायतों फलोदी में मर्ज हो जाएंगी। फलोदी को जिला बनाने के लिए प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवा दिए गए हैं। जिसमें नोख क्षेत्र के साथ पटवार मंडल नोख, बडाणा, मदासर, टावरी और चिन्नू , रायचंद वाला के नाम भिजवाए हैं। उसके साथ ही साथ ग्राम पंचायत हैं जिसमें नोख बडाना, रायचंद वाला, तालरिया,भदडिया, मदासर, भारमसर, टावरी वाला,पन्ना अवाय, शक्तिनगर ,आवाय, चिन्नू जालू वाला ,का नाम शामिल है जिसके लगभग तीस हजार मतदाता फलोदी जिला बनने पर शामिल हो सकते हैं। जिसमें अधिकतर पंचायतों एवं पटवार मंडल के राजपूत बाहुल्य एससी - एसटी एवं विश्नोई समाज के मतदाता जो कि लगातार पोकरण विधानसभा क्षेत्र बनने के साथ ही भाजपा का गढ़ रहा है। फलोदी को जिला बनाने का सीधा असर नोख क्षेत्र के तीस हजार मतदाताओं पर पड़ेगा ।

आम चर्चा यह भी है कि नोख के फलौदी में शामिल होने के कारण क्षेत्र की जनता को लाभ कम नुकसान ज्यादा होगा। जिसमें नोख क्षेत्र की जनता को मुख्यालय से दूरी घट जाएगी सरकारी योजनाओं का अधिक लाभ मिलेगा। वही नोख उप तहसील को उपखंड मुख्यालय की घोषणा की जा सकती है। फलोदी जिला बनने पर पिछडे क्षेत्र में कई लाभ मिल सकते हैं। वही नाचना उपनिवेशन में सरकारी भूमि आवंटन के लिए भूमिहीन काश्तकारों के आवेदन लोगों को वंचित रहना पड़ सकता है।

सरकारी दस्तावेजों में काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं जिला परिवर्तन होने के साथ ही जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र में क्षेत्र आएगा। सरकारी दस्तावेजों के साथ ही साथ अन्य सभी कागजात में नोख वासियों को तकलीफ उठानी पड़ेगी। नोख के फलौदी में शामिल होने से क्षेत्र के ग्रामीण पंचायतों में कमी के साथ ही योजनाओं के चल रहे कार्यो के भुगतान में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता संत प्रतापपुरी ने बताया कि पोकरण विधानसभा क्षेत्र की जनता लगातार जिला बनाने की मांग उठा रही है । उसको नजर अंदाज करते हुए राज्य सरकार द्वारा फलोदी को जिला बनाने से परिसीमन क्षेत्र की जनता को नुकसान होगा। वही हाल ही में नोख उपनिवेशन उप राजस्व विभाग क्षेत्र को तोड़कर फलौदी में शामिल कर जिला बनाने से क्षेत्र की जनता को जबरदस्त नुकसान होगा।